न्यूज डायरी

कीव में जेलेंस्की से बातचीत कर रहे थे यूएन महासचिव गुतारेस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। रूस यूक्रेन युद्ध के बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने बीते दिनों रूस और यूक्रेन का दौरा किया। गुतारेस पहले मॉस्को फिर कीव पहुंचे थे। यूक्रेन में फंसे हजारों नागरिकों की मदद के लिए गुतारेस जब जेलेंस्की से मिलने कीव पहुंचे तो उनसे श्कुछ दूरीश पर ही रूस ने अपनी मिसाइल दागी। संयुक्त राष्ट्र ने इस पर आश्चर्य व्यक्त किया है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने कहा कि गुतारेस की गुरुवार की यात्रा के दौरान एक रूसी मिसाइल ने मध्य कीव को निशाना बनाया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव और उनकी टीम इस हमले की निकटता देखकर चौंक गए। हालांकि सभी सुरक्षित रहे। अल जजीरा की खबर के अनुसार कई हफ्तों पहले कीव से रूसी सैनिकों के पीछे हटने के बाद से यह यूक्रेनी राजधानी पर हुआ सबसे भीषण हमला था। यूएन के प्रवक्ता सफिआनो अब्ब ने कहा कि वह एक युद्धक्षेत्र है लेकिन यह चौंकाने वाला है कि हमला हमारे करीब हुआ।

गोल्ड पाने और रातों रात अमीर होने की चाहत ने ली 12 महिलाओं की जान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मेदान, इंडोनेशिया। इंसान के अमीर बनने की चाहत कभी खत्म नहीं होती है, भले ही इसके लिए उसको अपनी जान देकर ही कीमत क्यों न चुकानी पड़े। इसके लिए इंसान कोई भी खतरा उठाने को तैयार रहता है। इस मामले में महिलाओं और पुरुषों का हाल एक जैसा ही है। महिलाओं की बात चली है तो गोल्ड या सोना हमेशा से ही महिलाओं को अपनी तरफ आकर्षित करता रहा है। इसी आकर्षण और जल्दी से अमीर बनने की चाहत में शुक्रवार को इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप के मैंडेलिंग नेताल जिले में स्थित एक छोटे से गांव में मौजूद एक गैरकानूनी गोल्ड माइंस ने यहां की करीब 12 औरतों की जान ले ली। स्थानीय पुलिस चीफ राजागुकगुक के मुताबिक माइंस में हुए लैंडस्लाइड की चपेट में आने वाली दो महिलाओं के घायल होने की खबर है। उनका कहना है कि ये खदान अवैध है और जिस वक्त यहां पर ये हादसा हुआ उस वक्त ये महिलाएं खदान के मुहाने पर बने करीब दो मीटर गहरे गड्ढे में उतर रही थीं।

अल–अक्सा मस्जिद में झड़प, 42 जख्मी, पाक पीएम ने की इजरायल की निंदा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) यरुसलम। यरुसलम स्थित अल–अक्सा मस्जिद परिसर में शुक्रवार को झड़प हो गई। इसमें 12 लोग जख्मी हो गए। यह जानकारी फलस्तीनी रेड क्रिसेंट ने दी। इसके बाद मौके पर पहुंची इजरायली सेना ने फलस्तीनियों को वहां से हटाया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस घटना के लिए इजरायली सेना की निंदा की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, इजरायली सेना द्वारा की गई हिंसा के खिलाफ हम फलस्तीनी लोगों के साथ एकजुटता प्रकट करते हैं। हर रमजान के वक्त अल अक्सा मस्जिद में इजरायली सेना हिंसा को अंजाम देती है। यरुसलम के अल अक्सा मस्जिद में फलस्तीन व इजरायली पुलिस के बीच झड़प हो गई जिसमें 42 लोग जख्मी हैं। यह जानकारी फलस्तीनी रेड क्रिसेंट ने दी।

सऊदी अरब पहुंचे पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ की बंपर बेइज्जती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रियाद। पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अपनी पहली तीन दिवसीय विदेश यात्रा पर सऊदी अरब पहुंचे हैं। लेकिन यहां उनका स्वागत बड़े अजीबोगरीब तरीके से हो रहा है। जैसे ही शहबाज शरीफ मदीना की मस्जिद–ए–नबावी पहुंचे, लोगों ने श्चोर–चोरश के नारे लगाना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो खूब शेयर किया जा रहा है। वीडियो में सैकड़ों श्रद्धालु पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल के मस्जिद में प्रवेश करते ही चोर–चोर के नारे लगाने लगते हैं। खबरों के मुताबिक प्रदर्शनकारियों को मदीना की श्पवित्रताश का उल्लंघन करने के लिए गिरफ्तार कर लिया गया है। पाकिस्तान की सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब और नेशनल असेंबली के सदस्य शाहजैन बुगती भी इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। पाकिस्तान के अखबार के अनुसार औरंगजेब ने इस प्रदर्शन के लिए इमरान खान को जिम्मेदार ठहराया है।

शंघाई में आम नागरिकों को मिली घर से बाहर निकलने की अनुमति

राहत

सरकार ने कहा- अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए लिया गया कदम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

शंघाई। कोरोना के कड़े प्रतिबंधों के बीच अब एक बार फिर शंघाई में आम नागरिकों को ढील दी जा रही है। शंघाई की लगभग आधी आबादी कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच अपने घरों में रहने को मजबूर थी। चीन के वित्तीय केंद्र माने जाने वाली शंघाई की आधी आबादी जो कम से कम एक करोड़ 20 लाख के करीब है अब वो आबादी कोरोना के कम खतरे वाले क्षेत्रों में है। चीन सरकार द्वारा शंघाई के इन लोगों को कोरोना के कड़े प्रतिबंधों से छूट मिल गयी है। इन्हें अब अपने घरों से बाहर निकलने की अनुमति मिल गयी है। बता दें कि यह कदम तब लिया गया है जब चीन आर्थिक मंदी का सामना कर रहा है क्योंकि कोरोना की वजह से लगे कड़े प्रतिबंध के कारण चीन और शंघाई में बड़े स्तर पर खाद्य आपूर्ति बाधित हुई और व्यापार को भी बहुत नुकसान उठाना पड़ा है।

लाकडाउन से मिली शंघाई को राहत

कोरोना ने चीन के सबसे बड़े शहर शंघाई को पिछले महीने की शुरुआत में ही लाकडाउन में डाल दिया था और पूरे शहर को कड़े प्रतिबंध का सामना करना पड़ा था। हालांकि अब आवासीय क्षेत्रों पर कुछ प्रतिबंधों को सावधानीपूर्वक हटा दिया गया है क्योंकि पिछले दो सप्ताह से शहर में कोई भी सकारात्मक मामले सामने नहीं आये हैं इसलिए यह कदम उठाया गया है।

प्रतिबंध हटाने की शर्तः शहर में प्रतिबंध एकसाथ नहीं हटाए गए है बल्कि कई शर्तों के साथ कुछ इलाकों में नियमों में ढील दी गयी है। जिसमें शहर के प्रत्येक आवास इकाई को खतरे के तीन स्तरों के अनुसार बांटा गया है और उन्हीं लोगों को बाहर जाने की अनुमति मिली है जिन लोगों ने रोकथाम क्षेत्र में रह रहे हैं और उन्होंने वहां पिछले 14 दिनों से कोई भी कोरोना के सकारात्मक मामला नहीं देखा है। ऐसे लोगों को ही विशेष काम के लिए बाहर जाने की अनुमति मिली है। वहीं उन निवासियों को भी छूट मिली है जो कम खतरे वाले क्षेत्र में थे वह अब अपने अपार्टमेंट्स को छोड़ कर बाहर निकल सकते हैं लेकिन देखा गया कि अनुमति मिलने के बाद भी वह सभी लोग अपने परिसरों तक ही सीमित हैं।

चीन अब अपनी अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए नीतिगत समर्थन को बढ़ाएगा। जिसमें उसके उलझे हुए इंटरनेट प्लेटफॉर्म शामिल हैं क्योंकि घरेलू कोरोना का प्रकोप और यूक्रेन युद्ध से चीन में इसका जोखिम बढ़ता है। वहीं सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा– शुक्रवार को बाजार उठा है। वहीं चीनी नीति निर्माताओं को इस आर्थिक मंदी को जोकि कोरोना को रोकने के लिए लगाए गए प्रतिबंध के कारण हुआ है, इसको दूर करने के लिए एक कठिन लड़ाई का सामना करना पड़ेगा। चीन के लिए राजनीतिक रूप से यह वर्ष काफी चुनौतीपूर्ण रहेगा क्योंकि कोरोना लाकडाउन की वजह से कई नौकरियां गयी हैं और कई तरह के आर्थिक गतिविधि बाधित हुए हैं और व्यवसायों को बहुत नुकसान उठाना पड़ा है।

शेख हसीना ने भारत को ऑफर किया चटगांव बंदरगाह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ढाका। भारत ने चीन की चाल को नाकाम करते हुए बांग्लादेश में बड़ी कूटनीतिक जीत हासिल की है। दरअसल, बांग्लादेश ने भारत को पूर्वोत्तर राज्यों से कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए चटगांव बंदरगाह के इस्तेमाल की पेशकश की है। इस बंदरगाह के जरिए न केवल भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय संबंध मजबूत होंगे, बल्कि पूर्वोत्तर के राज्यों जैसे असम, मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा से कनेक्टिविटी भी सुधर जाएगी।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने यह पेशकश भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ मुलाकात के दौरान की है।चटगांव बंदरगाह बांग्लादेश का मुख्य बंदरगाह है। आधिकारिक यात्रा पर बांग्लादेश की राजधानी ढाका पहुंचे जयशंकर ने हसीना को उनके भारतीय समकक्ष मोदी की तरफ से नई दिल्ली आने का निमंत्रण दिया। जयशंकर ने ट्वीट किया कि पीएम शेख हसीना को उनके गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए धन्यवाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं के मार्गदर्शन में हमारे द्विपक्षीय संबंध मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं। बांग्लादेशी पीएम के प्रेस सचिव एहसानुल करीम ने बताया कि बैठक के दौरान, पीएम हसीना ने कहा कि दोनों देशों को अपने संपर्क को और बढ़ाना होगा।

सैनिकों को केक खिलाने जंग के मैदान पर उतरी खूबसूरत नर्स

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मॉस्को। यूक्रेन में रूसी हमले का सभी देश विरोध कर रहे हैं। लेकिन नर्स की यूनिफॉर्म में कुछ मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर टैंकों के आगे पोज दे रही हैं और युद्ध में रूस का समर्थन कर रही हैं। मुस्कुराती हुई महिलाओं के इस ग्रुप को सिस्टर्स फॉर विक्टरी कहा जा रहा है। पुतिन के सैनिकों के साथ तस्वीरें खिंचवा रही इन महिलाओं की यूनिफॉर्म पर लिखा हुआ है जो यूक्रेन पर रूस के क्रूर हमले को बढ़ावा दे रहा है। सोशल मीडिया पर कुछ लोग दावा कर रहे हैं कि इनमें से कुछ महिलाएं यूक्रेन में जंग लड़ रहे रूसी सैनिकों की श्पत्नियां और गर्लफ्रेंड्स हैं।

कांपते हाथ, दिल में दहशत...अस्पताल में चल रहा था 600 लोगों का इलाज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मॉस्को। रूस के भीषण हमलों के बीच यूक्रेन ने एक वीडियो जारी किया है। दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो रूसी बमबारी के बाद मारियुपोल के एक सैन्य अस्पताल का है जिसमें सैकड़ों लोग छिपे हुए थे। अजोव ब्रिगेड की ओर से जारी तस्वीरें अजोवस्टल प्लांट के भीतर का नजारा दिखाने का दावा कर रही हैं। यूक्रेन के प्रमुख बंदरगाह शहर मारियुपोल पर रूस का कब्जा हो चुका है। लेकिन अभी भी करीब 2000 लोग अजोवस्टल प्लांट के भीतर फंसे हुए हैं, जो मारियुपोल का अंतिम यूक्रेनी गढ़ है।

डेलीमेल की खबर के अनुसार माना जा रहा है कि अस्थायी अस्पताल के भीतर 600 लोग मौजूद हैं, जिनमें 50 से अधिक बच्चे और बुजुर्ग हैं। यहां युद्ध में घायल लोगों का इलाज किया जा रहा था। यूक्रेनी सेना की 36वीं ब्रिगेड के कमांडर मेजर सेरही वोलिना ने स्थिति को श्मुश्किलश करार देते हुए स्काई न्यूज से कहा कि सैन्य अस्पताल पर सीधा हमला हुआ है। यह हमला ऐसे समय पर हुआ है जब पुतिन ने स्टील प्लांट पर हमले रोकने और सभी रास्तों को बंद करने का आदेश दिया है। मारियुपोल के मेयर के सहायक पेट्रो एंड्रीशचेंको ने शुक्रवार को कहा कि हर दिन वे अजोवस्टल पर कई बम गिराते हैं। उन्होंने कहा कि लड़ाई, गोलेबारी और बमबारी रुकी नहीं है। रूसी सैनिकों से घिरे होने के बावजूद मारियुपोल के स्टील प्लांट के भीतर मौजूद यूक्रेनी सैनिक सरेंडर करने से इनकार कर चुके हैं। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में एक बचावकर्मी मलबे में खुदाई करते हुए नजर आ रहा है।

अजोवस्टल प्लांट पर रूस ने गिराए बम

वीडियो में एक शख्स बुरी तरह कांपते हुए देखा जा सकता है जिसके हाथ में पानी की बोतल है। हर तरफ अंधेरा और धुआं नजर आ रहा है। अजोव ब्रिगेड एक वालंटियर मिलिट्री यूनिट है जिसमें करीब 900 सदस्य हैं और सभी अति–राष्ट्रवादी हैं।

कोरोना के खौफ से बीजिंग में सभी स्कूल बंद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन ने ही 2019 में कोरोना वायरस के पहले मामले की सूचना दी थी। यहां से निकलकर इस वायरस ने पूरी दुनिया में तबाही मचाई। लेकिन चीन ने शुरुआती चरण में ही संक्रमण पर काबू पा लिया था। अब चीन कोरोना की सबसे बुरी लहर से जूझ रहा है। सबसे बुरी हालत देश के सबसे बड़े शहर शंघाई की है जहां कई हफ्तों से सख्त लॉकडाउन लगा हुआ है, इसके बावजूद स्थिति काबू में नहीं आ रही है। शंघाई के बाद अब राजधानी बीजिंग के हालात भी बिगड़ने लगे हैं। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी कर दिया है। चीन के शहर बीजिंग के प्रशासन ने कोविड–19 संबंधी नियमों को और सख्त करते हुए राजधानी के सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया है, ताकि कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। करीब 2.1 करोड़ आबादी वाले शहर में इस हफ्ते पहले ही तीन बार सामूहिक जांच के आदेश दिए जा चुके हैं, जिसमें तीसरी जांच शुक्रवार को होगी।